साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-09 अंक-106 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

MP CIVIL SERVICES (Conduct) RULES

1965- सरकारी कर्मचारी क्या चंदा एकत्रित कर सकता है, पढ़िए

शासकीय कर्मचारी भी एक सामाजिक व्यक्ति होता है। मध्य प्रदेश सिविल सर्विस आचरण नियम 1965 भी यही कहता है। नियमानुसार शासकीय सेवक किसी भी प्रकार के सार्वजनिक अथवा धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हो सकता है। इस प्रकार के आयोजनों के लिए गठित समिति में सरकारी कर्मचारी अथवा अधिकारी पदाधिकारी भी हो सकता है परंतु क्या सरकारी कर्मचारी किसी भी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए आम जनता से चंदा एकत्रित कर सकता है। आइए पढ़ते हैं इसके लिए कौन सा नियम निर्धारित किया गया है-

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम,1965 की धारा 13 की परिभाषा-

कोई भी शासकीय सेवक शासन या अपने उच्च अधिकारी की मंजूरी के बिना-

1.किसी भी व्यक्ति से सार्वजनिक चंदा नहीं लेगा।

2.न कोई अंशदान (विभागीय संपत्ति से) देगा।

3.किसी भी प्रकार के सार्वजनिक चंदा इकट्ठा करने वाली संस्था में न तो भाग लेगा न ही अंशदान देगा ओर न ही ऐसे अंशदान से संबंध रखेगा।

(अगर कोई लोकसेवक बिना शासन या अधिकारी की मंजूरी के उपर्युक्त कृत्य करता है तो यह मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम की धारा 13 का उल्लंघन माना जाएगा जिससे ऐसे लोकसेवक (कर्मचारी अथवा अधिकारी) के खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोप में दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।)

दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के रिसर्च फेलोशिप के पोस्टर और वेबसाइट का हुआ विमोचन

शोध ऐसा हो, जो बदल दें सबकी सोच: मुख्यमंत्री यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और सभी वैज्ञानिक पद्धतियों का जनक है। मानवीय प्रज्ञा में जब वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश हो जाता है, तब वह 'प्रज्ञान' का रूप ले लेती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के विज्ञान भवन में श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) 2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के विकास में ही देश का समग्र विकास निहित है। मध्यप्रदेश को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शोध समाज के विकास का आधार है और इसे आधुनिक, परिष्कृत तथा परिमार्जित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन विचारों और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव पड़ा है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही। शोध समाज आधारित होना चाहिए, जिसमें राष्ट्र के कल्याण की बात कही जाए। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के माध्यम से देश के शोधार्थियों को नई दिशा प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने "Mahakal: The master of time" वेबसाइट का शुभारंभ, महाकाल ब्रोशर सहित मैपकास्ट द्वारा आयोजित होने वाले ÷41वें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव÷ के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा अनुसंधान परक लेखन पर आधारित सात पुस्तकों का भी विमोचन भी किया। राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की सहभागिता रही। आगामी 14 फरवरी तक चलने वाले इस समागम में शोध, विज्ञान और नवाचार के विविध आयामों पर विमर्श होगा।

पूज्य आचार्य श्री मिथलेशनन्दिनीशरण महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश ने महाकाल की प्रतिष्ठा से विश्व को अवगत कराया है। हम दुनिया को सर्वस्व दे रहे हैं, क्योंकि हमारे पास महाकाल हैं। शोधार्थी एक प्रकार से बोधार्थी भी हैं, जो शोध हमें बोध तक न ले जाए, वो व्यर्थ है। मनुष्य का ज्ञान चिंतन आधारित है, न कि डाटा आधारित। डाटा का विश्लेषण करना तो मशीनों का काम है। हम पश्चिमी देशों से क्यों डरते हैं। पश्चिम की केवल आलोचना करने से कुछ नहीं होने वाला। हमें समग्र रूप से सभी दिशाओं में सोचते हुए शोध करना है। हमारे शोध को भारतीय संस्कृति और चरित्र मूलक होना चाहिए, प्रतिक्रिया पराणय न हो। कोई भी नया विचार नवाचार नहीं होता है। परंपराओं को अंगीकार करते हुए नया काम करना ही नवाचार है। वरिष्ठ लेखक एवं चिंतक श्री सुरेश सोनी ने बीज वक्तव्य में कहा कि भारत के भौगोलिक स्वरूप में वेद आधारित सांस्कृतिक परिदृश्य नजर आता है। भारत के पुनरोत्थान के लिए पं. दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि इसमें विदेशी मूल्यों का प्रकटीकरण नहीं होना चाहिए। भारत में पिछले 150 से 200 सालों में यूरोप आधारित अकादमिक शिक्षा व्यवस्थाएं लागू की गई।

MP Land Revenue Code,1959-गांव का पटेल कौन होता है, नियुक्ति कैसे होती है और क्या हटाया जा सकता है- पढ़िए

लगभग हर गांव में एक पटेल होता है। उसका अपना रुतबा भी होता है। कई सरकारी मामलों में पटेल को महत्व दिया जाता है। आइए जानते हैं पटेल की जिम्मेदारियां क्या होती है। उसकी नियुक्ति कौन करता है, क्या वह गांव का सबसे पावरफुल व्यक्ति होता है और क्या उसे हटाया जा सकता है।

विधि के अनुसार कौन है ग्राम पदाधिकारी: मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 के अध्याय 17 में बताया गया है कि राजा का राजस्व केवल राजस्व अधिकारियों द्वारा नहीं चलाया जाता है। ऐसे अन्य अधिकारी भी है जिन्हें शासन की ओर से गांव का प्रशासन सौंप दिया गया है। ये पदाधिकारी न तो राजस्व अधिकारी होंगे न ही राजस्व न्यायालय। वे सिर्फ राजस्व अधिकारियों को सहायता हेतु शासन द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। वह पटेल, कोटवार एवं ग्राम सभा होती है।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

गाव में पटेलों की नियुक्ति कैसे होती है-

मध्यप्रदेश भू संहिता अधिनियम,1959 की धारा 222 के अनुसार जिले का जिला कलेक्टर प्रत्येक ग्राम समूह में एक या एक से अधिक पटेलों की नियुक्ति करेगा या कलेक्टर के आदेश पर SDO (उपखण्ड अधिकारी) भी पटेल को नियुक्त कर सकता है। ग्राम में पटेल के क्या कार्य होंगे जानिए

1. भू-राजस्व कर या लगान की वसूली करवा कर शासकीय कोषागार में जमा करवाना।
2. कलेक्टर के आदेश पर गांव का प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।
3. गाँव मे किसी ने शासकीय भूमि में अवैध कब्जा कर लिया है ऐसे अतिक्रमण को हटवाना।
4. गांव में बनाए गए शासकीय सीमा चिन्हों की सुरक्षा करना।
5. ग्राम को साफ-सुधरा रखना।
6. जंगल की या पेड़ों की अवैध कटाई को रोकना।
7. ग्राम के कोटवार पर नियंत्रण रखना।
8. एवं अन्य कार्य जो कलेक्टर द्वारा आदेशित सौंप दिए गए हो।

पटेल को हटाना एवं दण्ड का प्रावधान

किसी भी पटेल को कलेक्टर अधिनियम की धारा 226 के अंतर्गत हटा सकता है। अगर वह अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता है तब एवं उसे धारा 227 के अंतर्गत दण्डित भी कर सकता है।

महत्वपूर्ण नोट: पटेल बनने के लिए व्यक्ति की गाँव मे कृषि भूमि आवश्यक है एवं उसे पढ़ा लिखा भी होना आवश्यक है।

कोई भी सरपंच व्यक्ति गाँव का पटेल नहीं बन सकता है।

* वह व्यक्ति जिस पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 289 या 352 के अंतर्गत आपराधिक मामला दर्ज हैं वह व्यक्ति पटेल के लिए नियुक्त नहीं होगा।

अर्थात हम कह सकते हैं कि गांवों में पटेल एक विधि पद हैं एवं उनको शासन द्वारा नियुक्त किया जाता है।

लोकसभा में हंगामे के चलते कार्यवाही स्थगित, राज्यसभा में भी उठा दलित उत्पीड़न का मुद्दा

नई दिल्ली।

संसद के बजट सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद प्लेकार्ड लेकर वेल में पहुंच गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा में आसन पर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी विराजमान थे। कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विपक्षी सदस्य अपनी मांगों को लेकर वेल में आ गए। स्पीकर द्वारा बार-बार शांत रहने की अपील के बावजूद विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी जारी रखी। हंगामे के चलते करीब सात मिनट के बाद ही स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

उपभोक्ताओं के लिए बिजली कंपनी के वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड एवं भुगतान की सुविधा

प्रकाश एवं विकास

Madhya Pradesh Madhya Kshetra Vidyut Vitran Co. Ltd

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं के लिए वॉट्सएप चैटबॉट के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड एवं बिल भुगतान सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस सेवा के अंतर्गत उपभोक्ताओं को कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड, भुगतान सहित अन्य 10 सेवाओं का लाभ घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि वॉट्सएप चैटबॉट नंबर 0755 2551222 पर 'Hi' (हाय) लिखते ही उपभोक्ताओं के सामने क्रमशः 10 विभिन्न सेवाओं की सूची प्रदर्शित हो जाती है। यदि उपभोक्ता को अपने घर का बिजली बिल भरना है, तो सूची में विकल्प 2 - 'For Bill' दिखाई देता है। मैसेज बॉक्स में जैसे ही 2 अंक लिखते हैं, तो विकल्प 1 ङ्ग 'View and Pay LT Bill' सहित तीन अन्य विकल्प दिखाई देते हैं। बिल से संबंधित जानकारी के लिए विकल्प 1 चुनने पर दो और विकल्प उपलब्ध होते हैं, जिनमें विकल्प 1 - 'To Use Mobile Number' तथा विकल्प 2 - 'For Enter Customer ID' शामिल हैं। यदि उपभोक्ता रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के माध्यम से बिल देखना चाहते हैं, तो 'To Use Mobile Number' के लिए 1 अंक लिखते ही उनके कनेक्शन नंबर प्रदर्शित हो जाते हैं। संबंधित कनेक्शन नंबर का चयन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर बिल की राशि सहित पीडीएफ तुरंत प्राप्त हो जाती है। इसमें 'View and Pay' तथा 'Pay Now' के विकल्प भी उपलब्ध रहते हैं। यदि उपभोक्ता पहले बिल देखना चाहते हैं, तो 'View and Pay' का चयन कर सकते हैं। वहीं, बिल राशि देखकर तत्काल भुगतान करने के लिए 'Pay Now' विकल्प चुनना होगा। 'क्क4 ह्य2' पर क्लिक करने के बाद भुगतान के विभिन्न विकल्प प्रदर्शित होते हैं, जिनमें पे ऑन वॉट्सएप, गूगल पे, फोन पे, पेटीएम सहित अन्य यूपीआई एप्स शामिल हैं। इच्छित भुगतान माध्यम का चयन कर 'Continue' करने पर भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो जाती है और भुगतान की रसीद मोबाइल पर ही प्राप्त हो जाती है। इस रसीद को मोबाइल में सुरक्षित रखने या स्क्रीनशॉट लेने का विकल्प भी उपलब्ध रहता है। इस प्रकार उपभोक्ता घर बैठे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से बिजली कंपनी की सेवाओं का सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक रूप से लाभ उठा सकते हैं। वॉट्सएप चैटबॉट पर उपलब्ध 10 सेवाओं में शिकायत दर्ज करना, एलटी/एचटी बिल से संबंधित सेवाएं, अन्य आवेदनों की जानकारी, मोबाइल नंबर को कनेक्शन से लिंक करना, सेल्फ रीडिंग, नया सेवा कनेक्शन/नेट मीटरिंग के लिए आवेदन, मौजूदा कनेक्शन में परिवर्तन, फिजिकल बिल के लिए आवेदन, सोलर रूफटॉप (नेट मीटरिंग) तथा मोबाइल नंबर जोड़ने या हटाने की सुविधा शामिल है।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में 'बात करें बोझ हल्का करें' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्रीय कार्यबल (NTF) के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण हेतु संचालित पहल के तहत शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में ÷बात करें ङ्ग बोझ हल्का करें÷ विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन एवं समिति संयोजक श्री शिवाकांत मौर्य के संयोजन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परीक्षा तनाव, कैरियर दुविधा, पारिवारिक अपेक्षाओं के दबाव, सामाजिक तुलना तथा आत्मविश्वास की कमी जैसे विषयों पर खुलकर विचार व्यक्त किए। समिति द्वारा सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, योग, ध्यान एवं नियमित संवाद को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए ऐसे आयोजन नियमित रूप से कराने की अपेक्षा व्यक्त की। अंत में सुश्री अरुणिका जैन ने आभार व्यक्त किया। यह पहल विद्यार्थियों के मानसिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

मौत से जंग लड़ता मिला नवजात, डॉक्टरों और मातृत्व ने बचाई नन्ही जान

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

ऊँचेहरा जिला सतना मध्यप्रदेश के निर्जन भरहुत पहाड़ के पास जब एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला, न बोल पाने वाला वह मासूम, अपनी पहली सांसों के साथ ही मौत से जूझ रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊँचेहरा पहुँची, जहाँ उसकी हालत बेहद नाजुक थी। यहीं से शुरू हुई इंसानियत की जीत।सीबीएमओ डॉ. ए.के. राय के नेतृत्व में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने बिना एक पल गंवाए इलाज शुरू किया। डॉ. विनीत गुप्ता, डॉ. अनामिका राय, डॉ. श्रुति अग्रवाल, स्टाफ नर्स अनिता तोमर, एएनएम और बीपीएम संजीव ताम्रकार ने उस नन्हे जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए। इलाज के बाद जब मासूम की सांसें स्थिर हुईं, तो स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती अन्य प्रसूता माताओं ने भी मां बनने का धर्म निभाया। उनकी सहमति से शिशु को वेट फीडिंग कराई गई—ममता ने ममता को बचाया। हालत में सुधार के बाद डॉ. ए.के. राय ने विशेष 108 एंबुलेंस से नर्सिंग स्टाफ के साथ नवजात को जिला अस्पताल सतना भेजा, ताकि उसे बेहतर इलाज मिल सके।

NSS स्वयंसेवकों से भेंट कर उच्च शिक्षा मंत्री ने गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने पर शुभकामनाएं

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के गौरव हैं। उनका अनुशासन और सेवा भाव समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपार क्षमता रखता है।परमार ने कहा कि शिक्षा के साथ सेवा का भाव युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सच्चा योगदानकर्ता बनाता है। उच्च शिक्षा मंत्री रविवार को भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर, गणतंत्र दिवस परेड-2026 में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्) के स्वयंसेवकों से भेंट कर सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार से, माय-भारत राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय पुरस्कार 2022ङ्ग23 से सम्मानित स्वयंसेवक सौमित दुबे एवं आयुषी सिन्हा ने भी भेंट की। मंत्री परमार ने उनके प्रशस्ति पत्र एवं मेडल का अवलोकन कर, उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दीं।स्वयंसेवकों को मेडल एवं शॉल से सम्मानित किया। समस्त स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करें। कहा कि युवाओं की ऊर्जा, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता ही भारत को विश्व पटल पर अग्रणी बनाएगी। इस अवसर पर राज्य एनएसएस अधिकारी मनोज कुमार अग्निहोत्री, कार्यक्रम समन्वयक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल तथा ईटीआई प्रशिक्षक उपस्थित थे।

भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पद की दौड़ सोनू कन्नौजिया की दावेदारी,सब पर भारी संगठनात्मक अनुभव, साफ छबि, बेदाग व्यक्तित्व, वरिष्ठों की पहली पसंद

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर – अनूपपुर जिले में युवा मोर्चा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के आगमन पर युवा मोर्चा के शक्ति प्रदर्शन हुआ। युवा मोर्चा से जिला अध्यक्ष पद के विभिन्न दावेदारों ने अपना-अपना दावेदारी करते हुए अपने क्षेत्र की मजबूती प्रदर्शित करते हुए हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एकत्र कर रैली और सभा किया। उक्त पूरे कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा की संगठनात्मक राजनीति में अनूपपुर जिले से एक नाम तेजी से उभरकर सामने आ रहा है जो की राजनगर में वर्तमान मंडल अध्यक्ष सोनू कन्नौजिया है, सोनू कन्नौजिया साफ-सुथरी छवि, मजबूत जमीनी पकड़ और निरंतर सक्रियता के चलते वे आज भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद के सबसे मजबूत दावेदारों में गिने जा रहे हैं। सामाजिक सरोकारों से जुड़कर गरीब, असहाय और जरूरतमंदों की मदद करना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा रहा है, जिससे उन्हें संगठन के कार्यकर्ताओं और आम युवाओं के बीच अलग पहचान मिली है।

सक्रिय भूमिका और परिश्रम,संगठन के कार्यों में लगन बनी पहचान

सोनू कन्नौजिया युवा मोर्चा के मंडल स्तर से लेकर भाजपा के अनुषांगिक संगठन के विभिन तक विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते आ रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, अनुशासन और सतत परिश्रम उन्हें एक कर्मठ व भरोसेमंद कार्यकर्ता के रूप में स्थापित करता है। पार्टी कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने, युवाओं को संगठन से जोड़ने और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है।

युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता का कारण उनकी सरलता, सहज उपलब्धता और समस्याओं के प्रति संवेदनशील रवैया माना जाता है। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना एवं धार्मिक कार्यों में उनकी रुचि इन्हें एक अलग स्थान समाज में प्रदान करती है जो की उनकी सहजता का परिचायक भी है

सोनू कन्नौजिया का राजनीतिक सफर, हर दायित्व का सफल निर्वहन

सोनू कनौजिया का राजनीतिक सफर सन् 2013 में नगर युवा मोर्चा मंत्री राजनगर रहे, सन् 2017 में राजनगर युवा मोर्चा मंडल महामंत्री रहे , 2020 में युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष राजनगर का दायित्व संभाला एवं 2022 में पुनः युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजनगर बने, 2022 में नगर परिषद बनगवां के चुनाव में अच्छा काम किया, लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में उत्तम कार्य किया एवं शक्ति केंद्र संयोजक रहे मंडल राजनगर में बुथ की टीम बनाने में अहम योगदान रहा एवं अनेक जिम्मेदारियो का निर्वहन किया है लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे और अनेक दायित्वों का निर्वहन किया शिक्षित समझदार मिलनसार और अनुभवी तौर पर सोनू कनौजिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष के प्रबल दावेदार माने जाते हैं

प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में शामिल हुए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता

सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के अनूपपुर आगमन के दौरान सोनू कन्नौजिया ने अपनी संगठन क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता और सुव्यवस्थित आयोजन ने यह साबित कर दिया कि वे केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले नेता हैं। संगठन के भीतर यह चर्चा तेज है कि युवा मोर्चा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सोनू कन्नौजिया जैसे अनुभवी, संघर्षशील और समर्पित युवा नेता की आवश्यकता है। यदि उन्हें जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलती है, तो संगठन को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिलने की पूरी संभावना जताई जा रही।

UNODC का अपनी एक नई रिपोर्ट में खुलासा,भ्रष्टाचार के बिना बड़े पैमाने पर मानव तस्करी संभव नहीं

United Nations Office on Drugs and Crime

UNODC

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल ।

मध्य प्रदेश अपनी एक नई रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ओन ड्रग एंड क्राइम ने खुलासा किया है कि सीमा सुरक्षा कर्मी और सरकारी अधिकारी कई बार लाभ के बदले या धमकी के कारण आँखें मूँद लेते हैं, जिससे भ्रष्टाचार और अपराध का यह चक्र चलता रहता है।यह रिपोर्ट लगभग 80 देशों से जुड़े 120+ मामलों का विश्लेषण करते हुए मानव तस्करी व भ्रष्टाचार के बीच ÷छिपी हुई कड़ियों÷ को उजागर करती है। मानव तस्करी के कई रूपों में यौन शोषण, जबरन श्रम, जबरन भीख मंगवाना, अंगों की तस्करी और अवैध रूप से गोद लेना शामिल हैं। सीमाओं पर रिश्वत और भ्रष्टाचार से हासिल किए गए कागज़ात लोगों को एक देश से दूसरे देश तक ले जाने में मदद करते हैं। फर्जी दस्तावेज़ बनवाने, अनियमितताओं को नज़रअंदाज़ करने और संगठित अपराधी समूहों से मिलीभगत के ज़रिये ङ्क रिपोर्ट बताती है कि भर्ती से लेकर परिवहन तक, हर चरण में भ्रष्टाचार मौजूद रहता है। एक बार शोषण शुरू हो जाने के बाद, पीड़ितों के लिए मदद माँगना बेहद मुश्किल हो जाता है। कृषि, निर्माण, मत्स्य पालन और घरेलू काम जैसे क्षेत्रों में भ्रष्टाचार तस्करी को छिपाए रखता है और पीड़ितों को जबरन श्रम, यौन शोषण और जबरन अपराध में फँसाए रखता है। अंततः, भ्रष्टाचार मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में भी बाधा बनता है - चाहे वह पुलिस जाँच हो, मुकदमे हों, न्यायिक फैसले हों या पीड़ितों को सहायता।

एक बार फिर छात्रों ने भरी हुंकारः बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में कुलपति दफ्तर को घेरा गया हैं

आंदोलन का नेतृत्व साथी अमन सिंह चौहान ने किया एसएफआई और विभिन्न संगठनों, छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन और कुलपति के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। बीते लंबे समय से छात्र बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं छात्र नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठा रहे हैं यूनिवर्सिटी की विभिन्न अनमिताएं जो छात्रों को गहराई से प्रभावित कर रही हैं इसी के साथ एथलीट्स ट्रैकिंग ग्राउंड बनाने की मांग हैं जिसको लेकर कुलपति समयबद्ध सीमा में काम कराए जाने के लिए असहमत नजर आए और कोई संतोषजनक जवाब ना आने पर छात्र लगातार आंदोलन को तेज कर रहे हैं। आंदोलन आगे एक व्यापक एकता के स्वरूप को बनाने की तरफ बढ़ रहा है स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (एसएफआई) मध्यप्रदेश मजबूती के साथ आंदोलन मैं निर्णायक रूप से खड़ी है।

तमाम छात्र भी अपनी व्यापक एकजुट को प्रदर्शित करते हुए आंदोलन को मजबूत बनाएं और सार्वजनिक यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए,

छात्रों की लूट का केंद्र बनने से बचने की जिम्मेदारी भी हम छात्रों की ही है। हमारा संघर्ष जारी रहेगा जब तक हम संघर्षों से अपनी जीत सुनिश्चित न कर ले।

लड़ेंगे तो निश्चित जीतेंगे इंकलाब जिंदाबाद ।

एफिस्टीन के करिया फाइल मा,
बलात्कारी मन के चेहरा दिख गे।
विदेसी मन इस्तिफा देवत हे,
इहां छुपाए बर कुहरा दिख गे।।
भेद खुले के डर मा पापी,
थर-थर थर-थर कांपत हे।
देस ला गिरवी रख के एमन,
ट्रंप के तलुआ चांटत हे।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

चार लेबर कानून के विरोध में सैकड़ो की तादात में सड़कों पर उतरे छात्र-मजदूर

आज देश के कोने कोने में राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का असर व्यापक रूप से दिख रहा है चाहे वह सार्वजनिक क्षेत्र के दफ्तर हो जिममें लाखों कर्मचारी कार्यरत होते हैं आज काम ठप है । औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाला मजदूर जो रोज अपने कारखाने में अपने औजारों से लाखों का उत्पाद तैयार करता है। आज उसी उत्पाद की लूट पर हड़तालियों ने ताला मार दिया है इस हड़ताल के अंदर असंख्य करोड़ों मजदूर कर्मचारी वेतन भोगी ठेकेदारी प्रथा में काम करने वाले मजदूर शामिल हुऐ इसी के साथ देश के प्रगतिशील छात्रों का मोर्चा भी इस हड़ताल

में शामिल है । स्टूडेंटस फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (SFI) ने भी इस हड़ताल में हिस्सा लिया इसी के तहत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में छात्रों ने व्यापक मोर्चा बनाते हुए हड़ताल में अपनी हिस्सेदारी को सुनिश्चित कि है। छात्रों - नौजवानों का शामिल होना स्पष्ट करता है कि किस तरीके से शोषण का बढ़ना ट्रेड यूनियन अधिकारों को खत्म किया जाना , सुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में ठेकेदारी को बढ़ावा दिया जाना, वेतन में कटौती किया जाना, सीधे तौर पर छात्रों-नौजवानों को भी प्रभावित करेगा इसीलिए छात्रों-नौजवान व्यापक लामबंदी के साथ हड़ताल में हिस्सा लिया। देश के केंद्रीय श्रमिक संगठनों का मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा भी इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होते हुए अपना समर्थन दिया है। जो हड़ताल के स्वरूप को और भी व्यापक और विस्तृत बना देता है। आज देश के अलग-अलग क्षेत्रों में और ग्रामीण इलाकों में भी हड़ताल का असर दिख रहा है।

यह हड़ताल केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों का कड़ा प्रतिरोध है ।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिवेशन-2026 में पिपलिया कलां, देवरी का गौरव

सुमित श्री रामसेवक शर्मा को क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व हेतु मिला राष्ट्रीय सम्मान

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी/रायसेनन्द्ध नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 08 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो (NHRCCB) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिवेशन-2026 भव्य, गरिमामय एवं विचारोत्तेजक वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मंच पर नगर परिषद देवरी, उदयपुरा ब्लॉक के उपाध्यक्ष सुमित श्री रामसेवक शर्मा को मानवाधिकार संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं संगठनात्मक नेतृत्व के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रायसेन जिला, नगर देवरी एवं ग्राम पिपलिया कलां के लिए गौरव का विषय बना। अधिवेशन का आयोजन डॉ. रणधीर कुमार, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष NHRCCB के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए मानवाधिकार विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों, कानूनविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर मानवाधिकार संरक्षण एवं अपराध नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन किया।

उद्घाटन सत्र की प्रमुख झलकियां

उद्घाटन सत्र में क्रिस्टीना अनानीना, प्रथम सचिव, रूस दूतावास ने मानवाधिकारों को वैश्विक शांति एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला बताया। कार्यक्रम में पंकज कुमार (सीबीआईसी, भारत सरकार), पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम,

तथा NHRCCB के राष्ट्रीय संरक्षक जय प्रकाश निषाद ने लोकतंत्र में मानवाधिकारों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। गंभीर विमर्श और पैनल चर्चाएं अधिवेशन के दौरान "Crime Control vs Human Rights" "Human Rights in the Digital Age" विषयों पर पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें कानून व्यवस्था, सुरक्षा, डिजिटल तकनीक और मानवाधिकारों के संतुलन पर विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

समापन सत्र

समापन सत्र में करुणा गोपाल, निरंजन कुमार एवं सौम्या रंजन प्रधान की गरिमामय उपस्थिति रही।

क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सम्मान प्राप्त कर सुमित शर्मा ने मध्यप्रदेश, रायसेन जिला, नगर परिषद देवरी तथा अपने गृह ग्राम पिपलिया कलां का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। यह उपलब्धि क्षेत्र में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक चेतना को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगी।

सहारा हॉस्पिटल महलगांव सिटी सेंटर द्वारा आयोजित नि:शुल्क, नेत्र, नाक कान गला तथा स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर की ओपीडी में 200 मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया

सहारा हॉस्पिटल के संचालक डॉ ए एस भल्ला का इंदरगढ़ में हुआ जोरदार स्वागत सफलतापूर्वक मोतियाबिंद के हुए ऑपरेशन

ग्वालियर। सहारा हॉस्पिटल महलगांव सिटी सेंटर सोफिया कॉलेज केंपस ग्वालियर द्वारा गत दिवस इंदरगढ़ में आयोजित निशुल्क नेत्र नाक कान गला तथा स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर में ग्वालियर के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ ए एस भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ एवं उनकी टीम इंदरगढ़ में विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा इंदरगढ़ में निशुल्क नेत्र एवं नाक कान गला तथा स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर की ओपीडी में 200 मरीजों ने अपने नेत्र तथा नाक कान गला के साथ-साथ अलग-अलग बीमारियों का इलाज किया गया गंभीर बीमारी के 15 मरीजों नें सहारा हॉस्पिटल महलगांव सोफिया कॉलेज कैंपस सिटी सेंटर ग्वालियर आने के लिए पंजीयन कराया तथा नाक कान गला के मरीजों को डॉक्टर ए एस

भल्ला द्वारा देखा तथा मौके पर ही शिविर की ओपीडी में ही निशुल्क देखा गया तथा गंभीर मरीज को सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर आने का परामर्श दिया गया अन्य बीमारियों के मरीजों को सहारा हॉस्पिटल के दूसरे डॉक्टर ने देखा तथा जिनकी आंखों में मोतियाबिंद आ गया है उनका ऑपरेशन करने के लिए पांच मरीजों ने सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर आने के लिए पंजीयन कराया 5 मरीज को सहारा हॉस्पिटल की गाड़ी निःशुल्क लेकर ग्वालियर आऐ तथा सहारा हॉस्पिटल महलगांव सिटी सेंटर में भर्ती किया गया जिनका आज सफलता पूर्वक आंखों के सफलतापूर्वक ऑपरेशन किऐ गए सभी मरीज बहुत खुश हुए तथा अटेंडर और मरीज ने सहारा हॉस्पिटल की टीम को धन्यवाद दिया इंदरगढ़ में पहुंचते ही सहारा हॉस्पिटल के डॉ भल्ला का जोरदार स्वागत किया गया ।

कसस द्वारा रविदास जयंती के अवसर पर समरस्ता भोज का आयोजन कर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का स्वागत किया

05/02/2026 दिन गुरुवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में समरसता भोज तथा आदिवासी कल्याण विभाग छात्रावास / आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ (छ्रस्स्ङ्ककसास) के अंतर्गत जिला विदिशा में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संतोष अहिरवार की नियुक्ति के उपरांत एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन होटल ग्रैंड अशोका, विदिशा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उक्त समारोह में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के माननीय सदस्य प्रियंक कानूनगो विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं अधीक्षक साथियों द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया तथा संतोष अहिरवार जी को जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्राप्त होने पर हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी गई तथा संगठन को और अधिक सुदृढ़, संगठित एवं सक्रिय बनाने हेतु अपने विचार व्यक्त किए गए कार्यक्रम उपरांत सभी उपस्थित जनों द्वारा सामूहिक भोज में सहभागिता की गई। काय क्रम में जिले के अनेक अधीक्षक साथियों की गरिमामई उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से रविकांत चतुर्वेदी, डॉ. राजेश अहिरवार,तुलसीराम अस्तोविया, जगदीश अहिरवार, रजनी धुर्वे, कृष्ण सेन, श्रीमती अनीता भलावी, ममता अहिरवार, मनीषा शर्मा , नरेंद्र रघुवंशी , राहुल मीना , मयंक रघुवंशी, कृष्णकांत चतुर्वेदी , राधेश्याम मीणा, रामस्वरूप अहिरवार सहित अन्य अधीक्षक साथी सम्मिलित हुए।

समारोह संगठनात्मक एकता, आपसी समन्वय एवं सेवा भावना को और अधिक मजबूत करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

तैयारियां शुरुः सोमनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की उम्मीद

अहमदाबाद। ज्योतिर्लिंगों में प्रथम भगवान सोमनाथ के मंदिर में इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व ऐतिहासिक होने जा रहा है। आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहाँ लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। गिर सोमनाथ जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट ने इस विशाल जनसमूह की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी एन. वी. उपाध्याय ने बताया कि पिछले महीने आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बाद से यहाँ आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल देखा गया है। जनवरी1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जनवरी में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिरकत की थी। इस आयोजन के बाद मंदिर की लोकप्रियता और धार्मिक महत्ता को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। आंकड़ों के अनुसार, जहाँ सामान्य दिनों में यहाँ प्रतिदिन लगभग 20,000 श्रद्धालु आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 75,000 प्रतिदिन हो गई है।

नमो बुद्धाय

आपका स्वागत है
100 श्रमणेर दीक्षा प्रशिक्षण शिविर- 2026 (भोपाल, मध्य प्रदेश)
यह मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित दस-दिवसीय श्रामनेर दीक्षा प्रशिक्षण शिविर है जो थाईलैंड के वरिष्ठ भिक्षुओं के मार्गदर्शन में होगा।
-संभावित तिथि: अप्रैल 2026
- सीमित सीटें: 100 दीक्षार्थी
पंजीयन हेतु कृपया नीचे जानकारी भेजें-

1. पूरा नाम
2. आयु
3. शहर/जिला
4. मोबाइल नंबर
हमारी टीम शीघ्र संपर्क करेगी।
संपर्क-
9926220408
9009007043
7389046631

दस पेटी अवैध शराब व एक टोयोटा ग्लेंजा कार को कालापीपल पुलिस द्वारा किया गया जब्त

आरोपी तस्कर कार छोड़कर मौके से हुआ फरार

कालापीपल

कालापीपल= शाजापुर पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के दिशा निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थो एवं अवैध शराब तस्करी के विक्रय एवं परिवहन पर रोकथाम लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत मुखबिर की सूचना मिलने पर कालापीपल पुलिस द्वारा दस पेटी अवैध शराब व एक टोयोटा ग्लेंजा कार क्रमांक MP09 DK4173 को जब्त किया गया है जिसमें आरोपी तस्कर पुलिस मौका बल को देखकर मौके से फरार होने में कामयाब हो गया फिलहाल पुलिस ने आरोपी ने विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 34/2 का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर आरोपी

की तलाश कर रही है साथ ही पुलिस द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि शराब को कहा से लाया गया और कहा ले जाया जा रहा था उक्त कार्यवाही की सफलता में उपनिरीक्षक रवि भंडारी व थाना पुलिस बल की रही अहम रही भूमिका

ज्ञात रहे कि कालापीपल पुलिस द्वारा विगत कई माह से क्षेत्र में ईस तरह के मादक पदार्थो का विक्रय एवं परिवहन करने वाले व्यक्तियों पर समय समय पर कार्यवाही करती रही है फिलहाल उक्त कार्यवाही की सफलता में उपनिरीक्षक रवि भंडारी का विशेष योगदान रहा साथ ही कार्यवाही में थाना प्रभारी मनोहरसिंह जगेत,प्र.आ.विशाल पटेल, प्रा.आ.अमित शर्मा, प्रा.आ.शिवराज पटेल, प्रा.आ.सतीश रावत,आ.सुमित पटेल,आ.रवि कारपेंटर,रोहित झालावा,शैलेंद्र वर्मा की भी अहम भूमिका रही

शराब कंपनी मां भद्रकाली इंटरप्राइजेस का मैनेजर संजीव तिवारी करवा रहा अवैध शराब की तस्करी

कुछ विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शुजालपुर में शराब का कारोबार करने वाली कंपनी मां भद्रकाली इंटरप्राइजेस के जनरल मैनेजर संजीव तिवारी द्वारा एक दिन पहले ही रात के नौ से दस बजे के आसपास उक्त आरोपी युवक को अवैध तरीके से शराब फ्रीगंज ठेके से लोड की गई थी जिसके वीडियो प्रमाण कई कैमरों में पत्रकारों के पास सुरक्षित हो गए हैं और फिर उक्त गाड़ी को आरोपी द्वारा गैरखेड़ी से हीराना होते हुए कालापीपल ले जाया गया जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई अब आगे देखना यह होगा कि मुख्य आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस के हाथ ठेकेदार तक पहुंचते हैं या ठेकेदार अपना बोरिया बिस्तर बांधकर पहले ही उज्जैन की तरफ फरार हो जाता है

शासकीय महाविद्यालय मेंसेफर इंटरनेट डे के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत "AI और डिजिटल साक्षरता,धोखाधड़ी से बचाव की जागरूकता के बारे में जानकारी दी

उन्हेंल। दिनांक 10 फरवरी 2026 को शासकीय महाविद्यालय उन्हेल जिला उज्जैन में सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत "AI और डिजिटल साक्षरता,धोखाधड़ी से बचाव की जागरूकता,संबंधित पक्षों से बचाव के बारे में मार्गदर्शन विषय पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुधा दीक्षित के मार्गदर्शन एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के प्रभारी सहायक प्राध्यापक श्री नारायण के सहयोग से एक संक्षिप्त मार्गदर्शन संबंधी व्याख्यान का आयोजन हुआ।इस व्याख्यान में डॉ. भावना उज्जालिया ने उपस्थित विद्यार्थियों को वर्तमान में बढ़ते इंटरनेट के उपयोग और इससे उत्पन्न होने वाली साइबर अटैक संबंधी चुनौतियों से अवगत कराया।आगे उन्होंने बताया कि बिना सावधानीपूर्वक इंटरनेट का

उपयोग करने से हम आसानी से साइबर ठगों के शिकार हो सकते हैं जिसमें उन्होंने हाल ही में बड़े स्तर पर हो रही डिजिटल अरेस्ट संबंधी घटनाओं का हवाला दिया।आगे उन्होंने बताया कि इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, स्व जागरूकता संबंधी उपाय और साइबर सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क करके हम संभावित साइबर खतरों से बचाव कर सकते हैं।इस व्याख्यान के अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मनरेगा योजना से बदली 19 महिलाओं की तकदीर

सावंगी में नर्सरी स्थापना बनी सफलता की मिसाल

बालाघाट

बालाघाट जिले की जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत ग्राम पंचायत सावंगी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत ÷पौध उत्पादन कार्य (नर्सरी स्थापना)÷ ने सफलता की नई कहानी लिखी है। वर्ष 2020 में प्रारंभ हुए इस कार्य ने ग्राम की 19 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है। इस परियोजना पर लगभग 47.36 लाख रुपये की लागत आई तथा 10,832 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ। उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में समूह की महिलाओं को नर्सरी तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं ने बीज उत्पादन, पौध तैयार करने और विक्रय का कार्य शुरू किया, जिससे उन्हें नियमित आय का स्रोत मिला। मनरेगा के माध्यम से

100 दिनों का रोजगार मिलने के साथ-साथ पौधों की बिक्री से भी अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। वर्ष 2020-21 में समूह को 2 लाख रुपये, 2021-22 में 4 लाख रुपये, 2022-23 में 5 लाख रुपये तथा 2023-24 में 5 लाख रुपये का लाभ हुआ। वर्ष 2023-24 में लगभग 6 लाख पौधों का विक्रय किया गया, जिससे समूह की सभी 19 महिलाएं 'लखपति दीदी' श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं।

परियोजना शुरू होने से पहले महिलाएं मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती थीं, लेकिन अब वे आत्मनिर्भर होकर अपने बच्चों को अच्छे विद्यालयों में शिक्षा दिला रही हैं। इस पहल से न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि ग्राम में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

मनरेगा के अंतर्गत सावंगी की यह नर्सरी स्थापना योजना ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है।

राजा भोज कृषि महाविद्यालय में प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय वेब आधारित संगोष्ठी का आयोजन

बालाघाट। राजा भोज कृषि महाविद्यालय द्वारा दिनांक 3 एवं 4 फरवरी को प्राकृतिक खेती विषय पर दो दिवसीय वेब आधारित संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देशङ्कविदेश से 300 से अधिक छात्रङ्कछात्राओं, प्राध्यापकों एवं किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य आकर्षण पद्मश्री डॉ. सुभाष पालेकर का विशेष व्याख्यान रहा। उन्होंने प्राकृतिक खेती के आधार स्तंभों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा खेत में उपलब्ध संसाधनों से तैयार किए जाने वाले बीजामृत, जीवामृत, दशपर्णी अर्क और आग्नेयास्त्र जैसे जैविक उपायों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्राकृतिक खेती में देशी गाय और देशी बीजों के महत्व को रेखांकित करते हुए किसानों को रासायनिक खेती से दूर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल डॉ. आर. रमन, निदेशक, सेंटर फॉर नेचुरल फॉर्मिंग एंड सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु ने प्राकृतिक खेती से जुड़े शोध कार्यों एवं मृदा में कार्बन स्तर बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि दीर्घकालीन कृषि विकास का प्रभावी माध्यम भी है। संगोष्ठी में अनुभवी प्राकृतिक किसान श्री अशोक मीना भी जुड़े, जो पिछले 16 वर्षों से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए किसानों को जलवायु परिवर्तन के इस दौर में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया और इसके लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम की आयोजक एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. पूजा गोस्वामी ने कहा कि ÷हमारे छात्र और किसान देश की नींव हैं। यदि हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है तो इन दोनों को सशक्त बनाना आवश्यक है। प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और नवीन शोध कार्यों से परिचित होना आज की आवश्यकता है।÷ उन्होंने बालाघाट जिले में प्राकृतिक खेती के प्रसार हेतु अपने निरंतर प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई। राजा भोज कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने संगोष्ठी की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा भविष्य में भी प्राकृतिक खेती से संबंधित कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के आयोजन का आश्वासन दिया। यह आयोजन प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों और विद्यार्थियों में जागरूकता लाने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

(रंगसंसार) आयशा खान ने साझा किया अनुभव

फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री आयशा खान ने पीरियड्स से जुड़ी कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने बताया कि शूट के दिन उन्हें भारी ब्लोटिंग, दर्द और थकान हो रही थी, लेकिन फिर भी उन्होंने गाने की शूटिंग पूरी की। आयशा ने कहा कि सेट पर उनके लिए यह दिन काफी मुश्किल था और कई बार ऐसा लगा कि वह रो पड़ें। आयशा ने इंटरव्यू में कहा कि महिलाएँ अक्सर ऐसी परिस्थितियों में काम करती हैं, लेकिन यह चुनौती उनके लिए अधिक थी क्योंकि गाने में भारी कॉस्ट्यूम, लगातार डांस और लंबे समय तक शूट शामिल था। उन्होंने कहा कि फिल्म यूनिट का सपोर्ट उन्हें संभालने में मददगार साबित हुआ। आयशा ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि ऐसे वक्त में कलाकारों की निजी स्थितियों को भी समझा जाना चाहिए। फिल्म की टीम ने भी उनके पेशेवर रवैये की सराहना की। 'धुरंधर' की सफलता के साथ आयशा की यह कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और कई महिलाएँ उनके साहस की तारीफ कर रही हैं। आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने रिकॉर्डतोड़ सफलता हासिल की।

'रिया को आज भी प्यार पर भरोसा

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के छह साल बाद अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सुशांत की मौत के बाद रिया पर कई तरह के आरोप लगे और वह लंबे समय तक कानूनी एवं सामाजिक विवादों में उलझी रहीं। इस कठिन दौर के बाद अब रिया धीरे-धीरे सामान्य जिंदगी की ओर लौट रही हैं और जल्द ही फिल्मों में कमबैक करने की तैयारी कर रही हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में रिया ने न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपने निजी जीवन के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि कठिन अनुभवों ने उन्हें और ज्यादा मजबूत बनाया है। रिया के मुताबिक, 卐मुझे आज भी प्यार पर भरोसा है। जो कुछ भी हुआ, उसने मुझे प्यार की अहमियत का एहसास कराया है। इंसान को हमेशा दूसरा मौका देना चाहिए।卐 रिया ने बताया कि बीते वर्षों में उन्होंने मानसिक रूप से खुद को स्थिर करने में काफी मेहनत की है। परिवार और कुछ करीबी लोग उनके लिए इस कठिन समय में सहारा बने। उन्होंने कहा कि अब वह अपने करियर को एक नई दिशा देने के लिए उत्साहित हैं और जल्द ही दर्शकों के सामने नए प्रोजेक्ट्स लेकर आएंगी। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी गलतियों से सीखा है और अब वह एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश कर रही हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत की 'दलदल' ने

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि सतीश पेडनेकर परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनके द्वारा अभिनीत ज्यादातर फिल्में ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ 'दलदल' भी इसी सोच का हिस्सा है, जिसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत कर दी है। अमेज़न प्राइम पर स्ट्रीम हो रही यह इकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर अमेरिका, यूके और यूएई सहित कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर के दर्शक इसकी तारीफ कर रहे हैं। सीरीज़ की सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि भूमि के लिए माध्यम नहीं, बल्कि कहानी और अभिनय की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। बड़े पर्दे पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उन्होंने ओटीटी दुनिया में भी अपनी जगह उतनी ही मजबूती से बनाई है। भूमि की खासियत यह है कि वह हर बार ऐसे किरदार चुनती हैं, जिनमें जोखिम हो, गहराई हो और भावनात्मक तैयारी की जरूरत भी। जहां कई कलाकार चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से बचते हैं, वहीं भूमि इन्हें अपने विकास का रास्ता मानती हैं। उनका कहना है कि किरदार जितना मुश्किल होगा, खुद को बेहतर साबित करने का मौका उतना ही ज्यादा मिलेगा। यही कारण है कि उनके काम में बनावट कम और वास्तविकता ज्यादा दिखाई देती है। 'दलदल' को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि का हर चुनाव सोच-समझकर किया गया कदम होता है। फिल्मों से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, उनका काम सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि दर्शकों के लिए एक अनुभव बनकर सामने आता है। इस सीरीज़ की सफलता के साथ भूमि ने यह साबित कर दिया है कि उनका हर जोखिम उनके करियर में एक नई ऊंचाई लेकर आता है। भूमि सतीश पेडनेकर ने अपने अभिनय से न सिर्फ भारतीय दर्शकों का विश्वास जीता है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह संदेश दिया है कि दमदार कंटेंट ही असली पहचान बनाता है। 'दलदल' की उपलब्धि के बाद वे उन अभिनेत्रियों में और मजबूत स्थान रखती हैं, जो निरंतर खुद को चुनौती देकर नए आयाम स्थापित करती हैं। बता दें कि भूमि सतीश पेडनेकर उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जो परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ तौर पर बताती है कि वह ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। अपनी शुरुआत से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट- एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, शुभ मंगल सावधान, बाला, भक्षक, भीड़, थैंक यू फॉर कमिंग और सांड की आंख जैसी फिल्मों के जरिए मजबूत विषयों को उठाया है। इन फिल्मों में उनके किरदार न सिर्फ दर्शकों को प्रभावित करते हैं, बल्कि चर्चा और सराहना भी बटोरते हैं।

जल्द ही टूट सकता है आमिर खान की 'दंगल' का रिकॉर्ड

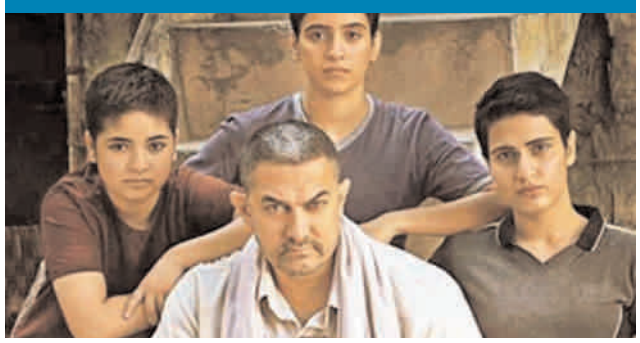

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल का रिकार्ड खतरे में है। 'दंगल' का रिकॉर्ड जल्द टूटने का अनुमान जताया जा रहा है! दंगल ने रिलीज के बाद से अब तक हिंदी सिनेमा में कमाई का जो ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है, वह पिछले नौ वर्षों से अटूट खड़ा है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म के रूप में उसका दबदबा अब तक कायम है। पिछले कुछ वर्षों में बाहुबली, आरआरआर, एनिमल और धुरंधर जैसी फिल्मों ने जोरदार कमाई की, लेकिन दंगल का रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सका। हालांकि, फिल्म जगत में माना जा रहा है कि जल्द ही यह रिकॉर्ड टूट सकता है। फिल्म मार्केटिंग और प्रमोशन से जुड़े वरुण गुप्ता का मानना है कि सिनेमा का दौर तेजी से बदल रहा है और अब दर्शकों की पसंद के अनुरूप बड़े बजट व हाई-स्केल फिल्मों की मांग बढ़ चुकी है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में दो बड़े प्रोजेक्ट धुरंधर 2 और एस.एस. राजामौली की वाराणसी इस रेस में सबसे आगे हैं और संभव है कि ये फिल्में दंगल का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दें।वरुण गुप्ता की कंपनी मैक्स मार्केटिंग कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। इनमें एक तरफ धुरंधर 2 जैसी भारी-भरकम ऐक्शन फिल्म है, जबकि दूसरी ओर सूरज बड़जात्या की पारिवारिक भावनाओं से भरपूर नई फिल्म भी शामिल है। वरुण कहते हैं कि बड़जात्या लंबे अंतराल के बाद अपनी पहचान वाली फैमिली फिल्मों के साथ वापसी कर रहे हैं, और यह देखना दिलचस्प होगा कि आज की युवा ऑडियंस उन्हें कितना अपनाती है। अगले साल रिलीज होने वाली राजामौली की वाराणसी को लेकर उद्योग में भारी उत्साह है। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर यह टाइम-ट्रैवल आधारित एडवेंचर फिल्म राजामौली के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

दोहा में कनाडा की विक्टोरिया मबोको कतर ओपन टेनिस में खेलती हुईं

इटली में अल्पाइन स्कीइंग महिला सुपर जी में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता इटली की फेडरिका, फ्रांस की रोमाने वह अस्ट्रिया की कोरनिलीया।

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं: सूर्यकुमार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक अभी तक अपने पेट के संक्रमण से पूरी तरह से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अभिषेक का 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर अभी भी वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी कहा है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए है और इस कारण हो सकता है कि उन्हें एक दो मैचों से दूर रहना पड़े। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द के चलते दो दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इसी कारण व अस्पाल से छुट्टी मिलने के बाद भी अभ्यास के लिए नहीं उतर पाये क्योंकि उन्हें कमजोरी लग रही है। उनका थोड़ा भी कम हुआ है। पेट के संक्रमण से उबरने के बाद पूरी तरह ठीक होकर शीर्ष स्तर पर खेलने में उन्हें कुछ समय जरुर लगेगा।

सूर्यकुमार ने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं.' कोलंबो में उनका अभ्यास सेशन यह बताएगा कि वह किस हालत में हैं। अगर वह नेट्स में सामान्य तरीके से ज्यादा देर तक बल्लेबाज करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र को देखें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में करीब 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं। पाक के खिलाफ अभिषेक अगर नहीं खेल पाते हैं तो ईशान किशन के साथ एक बार फिर पारी शुरु करने की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलेगी।

महिलाओं के संघर्ष को बताती है बेब सीरीज हसरतें

हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है।

जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है। हसरतें सीजन 3 में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है।

स्पिनरों को खेलने में कमजोर नहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज : ब्रूक

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि उनकी टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में कमजोर नहीं है। ब्रूक ने माना है कि विश्वकप के शुरुआत मैच में उनके कुछ बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं दिखे पर इससे उनकी क्षमताओं पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों का सामना करन आता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में हार के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने में कमजोरी सामने आई थी। इसी कारण इंग्लैंड के छह बल्लेबाज स्पिनरों का शिकार बने थे। वहीं जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी हुई तो उन्होंने इससे इंकार किया ।'

कप्तान ने तर्क दिया कि विश्वकप से पहले उसने दिग्गज स्पिनरों के सजी श्रीलंकाई टीम को तीनों मैच में हराया था। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ उस सीरीज ने यह साबित कर दिया था कि हमारे बल्लेबाज स्पिनरों को आसानी से खेलते हैं। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया हालांकि उन्होंने माना कि वेस्टइंडीज की टीम ने अच्छी गेंदबाजी की थी। साथ ही कहा कि उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट खोये जिससे भी टीम दबाव में आयी। ।' वहीं वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इस बात से काफी खुश थे कि उनकी टीम ने टूर्नामेंट में अब तक दोनों मैच अच्छी तरह से जीते हैं। उन्होंने कहा, हो सकता है कि हमारा स्कोर औसत के आसपास ही रहा हो, लेकिन फिर भी कुछ रन बनाने से हम खुश हैं। यह विश्व कप का मैच है और इसमें 10-20 रन अतिरिक्त बन सकते थे। इसलिए हमारे लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हम अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करें और फिर गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करें।

हाथी ने तोड़ा दीवाल, मलवा में दबने से वृद्ध घायल, खांडा के जंगल में तीसरे दिन ठहरा एक हाथी, दहशत में ग्रामीण

अनूपपुर

बुधवार एवं गुरुवार की मध्य रात जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर स्थित बरबसपुर में एक आदिवासी के घर अचानक पहुंचे एक हाथी ने घर की दीवाल तोड़ी जिस दौरान घर के अंदर जमीन में सो रहे 70 वर्षीय वृद्ध दीवाल के मलवे में दबने से घायल हो गये जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है रात भर बरबसपुर इलाके में विचरण करते हुए खेतों में लगे फसलों एवं घरों में तोड़फोड़ करते सुबह होने पर यह हाथी आज तीसरे दिन खांड़ा गांव से लगे जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है।

बुधवार को दूसरे दिन एक दांत वाला नर हाथी वन परिक्षेत्र,थाना एवं तहसील अनूपपुर के ग्राम पंचायत खांड़ा के गांव से लगे जंगल में दूसरे दिन बिताते शाम होने पर खांड़ा बांध से खांड़ा के मौहारटोला निवासी मझलू पिता गोरे साहू के घर की दीवार तोड़ते हुए पोंरी के जंगल से देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर जिला मुख्यालय अनूपपुर से 3 किलोमीटर दूर पर स्थित ग्राम पंचायत एवं ग्राम बरबसपुर के वार्ड क्रमांक 5 कपिलधारा कॉलोनी के पीछे घर के पास अचानक पहुंचकर दीवार तोडा जिस पर घर के अंदर जमीन पर सो रहे 70 वर्षीय वृद्ध विशाल भैना दीवार के गिरने से मलवा में दब गए जिसे परिजनों ने बाहर निकाला इस दौरान आधे घंटे से अधिक समय तक हाथी घर के पास रह कर घर के अंदर रखे धान की बोरी को बाहर निकाल कर धान को खाया,फैलाया ग्रामीणों के इकट्ठा होने एवं भगाए जाने पर यह हाथी रामसहाय कोल के घर के पास झाड़ियो में छिपा कर अचानक नारायण सिंह पिता बाबू सिंह के खेत में पहुंचकर खेत में लगे गेहूं की फसल को देर रात तक खाता रहा ग्रामीणों के भगाए जाने पर फिर से रामसहाय कोल के घर पहुंच कर घर की दीवार में तोड़फोड़ कर रामप्रसाद पाठक के खेत में लगे गेहूं एवं टमाटर की फसल को खाते हुए गुरुवार की सुबह पोड़ी गांव के बांधा के पास से राष्ट्रीय राजमार्ग पारकर गुरुवार के तीसरे दिन पोंड़ी एवं खांड़ा गांव के बीच के स्थित सिद्धबाबा पहाड़ी जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है।

जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर इलाके में हाथियों द्वारा दिन के समय जंगल में बिताने बाद रात होते ही जंगल से निकल कर अनेको ग्रामीण अंचलों के ग्रामीणो के घर,खेत बाडियों में पहुंचकर संपत्तियों के नुकसान करने से ग्रामीण जन भयभीत एवं दहशत की स्थिति में जीवन व्यतीत करने को बाध्य हो रहे है यह हाथी रात के समय अचानक छिपते हुए कितने भी समय अचानक घरों में पहुंचकर तोड़फोड़ कर अनाज की तलाश करता है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रूपये, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रूपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रूपये, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रूपये के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मण्डल को शुल्क की प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति जनजाति के अभ्?यार्थियों को छात्रवृत्ति, कक्षा-9वीं की छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे-मातरम् गायन के साथ आरंभ हुई। मंत्रि-परिषद ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत विद्युत अधोसंरचना विस्तार द्वारा 63 हजार 77 अविद्युतीकृत घरों एवं 650 अविद्युतीकृत शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसमें केन्द्र शासन से अनुदान राशि 220 करोड़ 03 लाख रूपये तथा राज्य शासन का अंश 146 करोड़ 69 लाख रूपये का भार आयेगा। इसके अतिरिक्त (म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा) 8 हजार 521 घरों को ऑफ-ग्रिड से विद्युतीकरण के लिए अनुमानित लागत 97 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना में विद्युतीकरण से संबंधित वितरण प्रणाली निर्माण के लिए योजना लागत की शेष राशि (केन्द्र से प्राप्त अनुदान को छोड़कर) राज्य शासन द्वारा राज्य की वितरण कंपनियों को अंश-पूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा किए जाने वाले ऑफ ग्रिड विद्युतीकरण (सोलर + बैटरी) के लिए योजना के समस्त व्यय का वहन राज्य शासन द्वारा किया जायेगा। अनुमोदन अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वितरण कंपनी स्तर पर निर्धारित सीलिंग कॉस्ट का पालन करते हुए, 2 लाख रुपये प्रति घर तक अनुमानित लागत वाली बसाहटों में राज्य की विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत अधोसंरचना निर्माण कर ऑन-लाइन प्रणाली से विद्युतीकरण किया जायेगा। खेतों पर बने घरों के साथ ही 5 घरों से छोटी बसाहटें एवं ऐसी दूरस्थ बसाहटें, जहाँ विद्युतीकरण की औसत लागत रूपये 2 लाख प्रति घर से अधिक है, उनमें म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा 1 किलोवाट क्षमता के ऑफ-ग्रिड प्रणाली (सोलर + बैटरी) से विद्युतीकरण किया जायेगा।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में व्यापक हड़ताल, 10 हजार टन कोयला उत्पादन हुआ प्रभावित, काम मे पहुँचे 43 मजदूर

अनूपपुर

जिले के कोयलांचल क्षेत्रों में गुरुवार को केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों के विरोध में व्यापक हड़ताल देखी गई। संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुलाई गई एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की 12 खदानों में कोयला उत्पादन और परिवहन पूरी तरह ठप्प हो गया। इनमें जमुना-कोतमा और हसदेव क्षेत्र की खदानें शामिल हैं। हड़ताल को सफल बनाने के लिए एटक, एचएमएस, इंटक और सीटू के पदाधिकारी सुबह से ही खदानों के प्रवेश द्वार पर मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और काम पर आ रहे मजदूरों को समझाकर वापस लौटा दिया। हालांकि, भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने इस प्रदर्शन से खुद को अलग रखा, फिर भी खदानों में कर्मचारियों की भारी कमी दर्ज की गई। हड़ताल का सर्वाधिक असर कुरजा, बिजुरी और बहेराबांध जैसे उपक्षेत्रों में देखा गया। कॉलरी प्रबंधन ने हड़ताल रोकने के लिए बुधवार को संयुक्त सलाहकार समिति (जेसीसी) की बैठक बुलाई थी। श्रमिक संगठनों से काम पर लौटने की अपील की थी, लेकिन यह प्रयास विफल रहा। कुरजा क्षेत्र में जहां बुधवार को 536 कामगार उपस्थित थे, वहीं गुरुवार की पहली पाली में केवल 43 कर्मचारी ही पहुंचे।

संयुक्त मोर्चा के अनुसार, नए लेबर बिल लागू होने से मजदूरों के अधिकार छिन जाएंगे। इन कानूनों में बिना एएलसी को सूचना दिए और सुनवाई के दौरान हड़ताल करने पर जेल और जुर्माने का प्रावधान है।साथ ही, कंपनियों को जरूरत खत्म होने पर कभी भी मजदूर को हटाने की छूट मिलेगी। औद्योगिक वार्ता के लिए 51 प्रतिशत सदस्यता की अनिवार्यता से छोटे श्रमिक संगठनों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। गुरुवार को अनूपपुर जिले की कुल 18 खदानों में से सक्रिय 12 खदानों में काम बंद रहने से लगभग 10 हजार टन कोयला उत्पादन प्रभावित माना जा रहा है, इनमें हसदेव उपक्षेत्र में ही लगभग 8164.02 टन कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ। उत्पादन के साथ-साथ परिवहन (डिस्पैच) न होने के कारण रेलवे और कॉलरी प्रबंधन को भारी आर्थिक क्षति होने का अनुमान है।

दिल्ली की बीजेपी सरकार के एक साल पूरे होने पर मिलेंगी कई सौगातें

नई दिल्ली। दिल्ली में बीजेपी सरकार ने अपने शासन का एक सफल साल पूरा होने के उपलक्ष्य में राजधानीवासियों के लिए जन-कल्याणकारी योजनाओं का पिटारा खोल दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं की एक लंबी सूची तैयार की है। 20 फरवरी को आईजीआई स्टेडियम में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। इसी मंच से दिल्ली सरकार की कई महत्वाकांक्षी पहलों की औपचारिक शुरुआत की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में बीजेपी सरकार ने सत्ता में एक साल पूरा करने के उपलक्ष्य में आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्लीनिक, अटल कैंटीन, स्मार्ट क्लासरूम और पिंक स्मार्ट कार्ड समेत कई परियोजनाओं और कल्याणकारी उपायों की एक लंबी सूची तैयार की है।

दिल्ली सरकार लाडली योजना के तहत वित्तीय सहायता और होली पर मुफ्त एलपीजी सिलेंडर के रूप में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जारी कर सकती है। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा के लिए पिंक स्मार्ट कार्ड भी शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी को एक कार्यक्रम में सरकार 100 आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य क्लीनिक शुरू करेगी, जबकि यमुना में नौका सेवा 20 फरवरी को शुरू होने की संभावना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)